HINDUSTAN, Delhi, 25.7.2022
Page No. 13, Size:(6.81)cms X (10.32)cms.

166 सीएनजी स्टेशनों का लोकार्पण किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार प्राकृतिक गैस आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में कदम उठाते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 166 सीएनजी स्टेशनों का लोकार्पण किया। इन स्टेशनों को गेल (इंडिया) लिमिटेड और इसकी नौ समूह सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों द्वारा 14 राज्यों में 41 भौगोलिक क्षेत्रों में स्थापित किया गया है।

RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 25.7.2022
Page No. 9, Size:(18.28)cms X (22.15)cms.

वाराणसी में सीएनजी नावों के संचालन से प्रदूषण में कमी

■ वाराणसी (भाषा)।

उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में 500 सीएनजी नौकाओं से न केवल नदी के जल और वायु प्रदूषण में कमी आई है, बल्कि घाटों पर आगंतुकों को घुमाने वाले नाविकों की आय में भी वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में सात जुलाई को अन्य परियोजनाओं के साथ ही सीएनजी से चलने वाली 500 नाव भी राष्ट्र को समर्पित की थीं।

गेल (गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड) के उपमहाप्रबंधक एनके द्विवेदी ने कहा कि गेल ने अपनी सामाजिक दायित्व पहल के अंतर्गत वाराणसी नगर निगम के सहयोग से पेट्रोल और डीजल से संचालित होने वाली नावों का रूपांतरण कर उन्हें सीएनजी से संचालन के लिए सक्षम बनाया है। उन्होंने कहा कि नावों के सीएनजी रूपांतरण से न केवल प्रदूषण कम हो रहा है, बल्कि ईंधन पर होने वाली बचत से नाविकों की आर्थिक स्थिति भी बेहतर हुई है। द्विवेदी ने कहा कि अब तक 522 नावों को सीएनजी में बदला गया है और पर्यावरण संरक्षण में मदद के लिए स्वच्छ ईंधन से अधिक नौकाएं चलाने के लिए रूपांतरण का काम तेज गति से चल रहा है। वाराणसी नगर निगम में कुल 657 नाव पंजीकृत हैं। द्विवेदी ने बताया कि अब स्थानीय नाविक प्रतिदिन फिलिंग स्टेशन से 600 से 700 किलोग्राम सीएनजी की खपत कर रहे हैं।

वाराणसी के खिड़किया घाट पर दुनिया का पहला तैरता सीएनजी स्टेशन चालू हो गया है, जिसे पिछले साल दिसम्बर से यहां 'नमो घाट' के नाम से भी जाना जाता है। नई पहल के कारण जीवन में क्या बदलाव आया है, इस बारे में नाविक रोहित साहनी ने कहा, पहले मैं हाथ से चलने वाली नाव चलाता था जो कि अधिक मेहनत और कम आय वाली होती थीं। आज हमारे पास दो नाव हैं और दोनों सीएनजी इंजन से लैस हैं। यह दावा करते हुए कि अब उनकी आय लगभग दोगुनी हो गई है, साहनी ने कहा कि सरकार के प्रयासों से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई है और वह अब सीएनजी से चलने वाली नावों के माध्यम से अधिक पर्यटकों को ले जाने में सक्षम हैं, जिससे आय में काफी वृद्धि हुई है।

■ नाविकों की आय में वृद्धि

■ खिड़किया घाट पर दुनिया का पहला तैरता सीएनजी स्टेशन चालू

वहीं, एक अन्य नाविक राजकुमार साहनी की भी ऐसी ही राय है। उन्होंने कहा, पहले डीजल इंजन से चलने वाली नाव से बहुत अधिक धुआं निकलता था जिसकी शिकायत पर्यटक अक्सर किया करते थे। अब सीएनजी इंजन वाली नावों से होने वाला प्रदूषण कम हो गया है और ईंधन की लागत भी लगभग आधी हो गई है जिससे बचत बढ़ी है।

इस संबंध में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के पूर्व प्रोफेसर और पर्यावरणविद बीडी त्रिपाठी ने कहा कि पहले गंगा में डीजल इंजन की जो नाव चलती थीं उनसे बहुत ज्यादा वायु और जल प्रदूषण होता था। प्रोफेसर त्रिपाठी ने कहा, नाविक अपनी नावों में पुराने जनरेटर के इंजन का प्रयोग करते थे, जिसमें प्रयोग किया गया डीजल पूरी तरह जलता नहीं था और पानी को प्रदूषित करता था, जिससे जलीय जीवों को बहुत नुकसान पहुंच रहा था। वाराणसी स्मार्ट सिटी के परियोजना प्रबंधक सुमन कुमार राय ने कहा कि सीएनजी से चलने वाली नाव पर्यावरण के अनुकूल हैं और लगभग 50 प्रतिशत किफायती हैं।